ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-09-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-09-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-09-30	2026-10-01	2026-10-02	2026-10-03	2026-10-04
वर्षा (मिमी)	0.2	0.1	0.3	0.2	0.5
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	31.0	31.0	32.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	20.0	21.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	85	86	93	91
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	66	60	56	50	59
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	3	3	4	4
पवन दिशा (डिग्री)	280	300	310	330	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	1	1
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले हफ़्ते (22 से 28 सितंबर) 184.8 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 21.2 से 34.6 डिग्री सेल्सियस और 19.9 से 25.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 87-100% और 57-98% के बीच रही। हवा उत्तर-उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण, दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम, पूर्व और दक्षिण-दक्षिण-पूर्व दिशाओं से 1.7 से 5.3 किमी प्रति घंटा की गति से चली। पिछले हफ़्ते कुछ दिनों में बहुत भारी बारिश हुई। आने वाले हफ़्ते में लगभग कोई बारिश नहीं होने या कुछ जगहों पर 0-1 मिमी हल्की बूंदाबांदी होने का अनुमान है। अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.0-32.0 डिग्री सेल्सियस और 20.0-21.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। हवा के पश्चिम-उत्तर, उत्तर-पश्चिम-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम-उत्तर और पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशाओं से 3-4 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की उम्मीद है। आने वाले हफ़्ते के लिए कोई चेतावनी नहीं है, इसलिए खेती से जुड़े काम ज़रूरत के अनुसार जारी रखे जा सकते हैं।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई चेतावनी नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई खास असर नहीं

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी, बारिश की चेतावनी और खेती से जुड़ी सलाह पाने के लिए “मौसम” और "मेघदूत" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी" ऐप भी उपलब्ध है। मेघदूत और मौसम ऐप अब क्राउडसोर्सिंग का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आईएमडी को किसानों से डेटा इकट्ठा करने और मौसम का अनुमान लगाने व खेती के कामों में इसके इस्तेमाल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इन सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स के लिए) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबे समय के अनुमान के मुताबिक, 25.09.2026 से 01.10.2026 के दौरान बहुत ज़्यादा बारिश और सामान्य अधिकतम व न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है। एनडीवीआई वैल्यू से ज़िले में खेती की अच्छी से बहुत अच्छी स्थिति का पता चलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, बारिश का कोई अनुमान नहीं है, इसलिए खेती के कामों को ज़रूरत के हिसाब से तय किया जा सकता है और कोई भी केमिकल इस्तेमाल किया जा सकता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	आम कीट, जैसे कि ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले पर, किसानों को प्रति हेक्टेयर 500 लीटर पानी में ट्राइफ्लुमेज़ोपिरिम 10 एससी (235 मिली) या फिप्रोनिल 5 एससी (1000 मिली) मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम हमले की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, ज़्यादा हमले की स्थिति में ट्राइफ्लुमेज़ोपिरिम और स्टेम बोरर व ब्राउन प्लांट हॉपर दोनों के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का इस्तेमाल करना चाहिए। खेती से जुड़े सभी काम और दवाओं का इस्तेमाल तब करना चाहिए जब मिट्टी में सही मात्रा में नमी हो।
गन्ना	अगर रेड रॉट बीमारी हो जाए, तो संक्रमित गन्नों को पूरी तरह नष्ट करना ज़रूरी है और किसानों को खेत साफ़ रखना चाहिए।
मक्का	फॉल आर्मी वर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एससी (0.4 मिली/लीटर पानी) का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं, झुलसा रोग (ब्लाइट) दिखने पर मैन्कोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लूपी (2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर, 750-800 लीटर पानी में मिलाकर) का छिड़काव करना चाहिए और दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर किया जाना चाहिए। जल्दी तैयार होने वाली किस्मों की फसल को अच्छी तरह सुखाने के बाद ही स्टोर करना चाहिए। खेती से जुड़े सभी काम और दवाओं का छिड़काव तब करना चाहिए जब मिट्टी में नमी की मात्रा सही हो।
काला चना	सफेद मक्खी से फैलने वाले येलो मोज़ेक वायरस के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 इसी मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। खेती से जुड़े सभी काम और दवाओं का छिड़काव तब करना चाहिए जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो।
मूँग	सफेद मक्खी से फैलने वाले येलो मोज़ेक वायरस के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 इसी मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। खेती से जुड़े सभी काम और दवाओं का छिड़काव तब करना चाहिए जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो।
सोयाबीन	सफेद मक्खी से फैलने वाले येलो मोज़ेक वायरस के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 इसी मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। ये सभी छिड़काव तब किए जाने चाहिए जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो।
मूँगफली	टिक्का बीमारी के इलाज के लिए, क्लोरोथैलोनिल (2 किग्रा/हेक्टेयर) या मैंकोज़ेब 80% (2 किग्रा/हेक्टेयर) या प्रोपिकोनाज़ोल 25 इसी (500 मिली) को 800 से 1000 लीटर पानी में घोलकर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए। ये सभी छिड़काव तब करने चाहिए जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो।
तिल	फाइलोडी बीमारी फाइटोप्लाज़्मा के कारण होती है, जो पौधों, फूलों और पत्तियों का आकार बदलकर उन्हें गुच्छे जैसा बना देता है। यह बीमारी प्लांट हॉपर कीट से फैलती है। इसे रोकने के लिए 10-15 दिनों के अंतराल पर 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से मिथाइल-ओ-डेमेटन 25 इसी का छिड़काव करना चाहिए और प्रभावित पौधों को जला देना चाहिए। ये सभी उपाय तब करने चाहिए जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	जल्दी तैयार होने वाली किस्मों की तुड़ाई करके उन्हें खपत के लिए बाज़ार में भेजा जाना चाहिए। मध्यम अवधि वाली किस्मों में यूरिया का टॉप-ड्रेसिंग किया जाना चाहिए और निराई-गुड़ाई व सिंचाई जैसे

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	नियमित कामों पर नज़र रखी जानी चाहिए।
मूली	पहले से बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई और बुवाई जैसे नियमित खेती के काम तब करने चाहिए जब खेत में पर्याप्त नमी हो।
गाजर	पहले से बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई और बुवाई जैसे नियमित खेती के काम तब करने चाहिए जब खेत में पर्याप्त नमी हो।
चुकंदर	पहले से बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई और बुवाई जैसे नियमित खेती के काम तब करने चाहिए जब खेत में पर्याप्त नमी हो।
पालक	बुवाई तब करनी चाहिए जब खेत में नमी की मात्रा उपयुक्त हो।
मेंथी	बुवाई तब करनी चाहिए जब खेत में नमी की मात्रा उपयुक्त हो।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जानवरों को खुरपका-मुंहपका रोग का टीका लगवाना चाहिए। जानवरों को हरा चारा कम मात्रा में देना चाहिए। सलाह दी जाती है कि हरे चारे को सूखे चारे में मिलाकर जानवरों को खिलाया जा सकता है।
बकरा	ग्रामीण इलाकों में बकरियों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए—एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में—ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।
भेड़	ग्रामीण इलाकों में भेड़ों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए—एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में—ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	पोल्ट्री पक्षियों को पशु चिकित्सक की सलाह पर ही डीवॉर्मिंग की दवा देनी चाहिए, क्योंकि उनमें कीड़े होने से अंडे देने की क्षमता कम हो जाती है।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई चेतावनी नहीं

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई सलाह नहीं

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details